स्वर्ण दिल्ली
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Knee
Replacement expert

कम दर्द, तेज रिकवरी: हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी में DAA तकनीक बनी मरीजों के लिए वरदान: डॉ. ईश्वर बोहरा

नई दिल्ली। लगातार बढ़ता हिप दर्द, चलने-फिरने में परेशानी और उठने-बैठने के दौरान होने वाली असहजता आज बड़ी संख्या में लोगों की जिंदगी को प्रभावित कर रही है। ऐसे मरीजों के लिए अब हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी का एक आधुनिक और अत्याधुनिक विकल्प सामने आया है, जिसे डायरेक्ट एंटीरियर अप्रोच (DAA) टोटल हिप रिप्लेसमेंट कहा जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह तकनीक मरीजों को कम दर्द और तेज रिकवरी का लाभ प्रदान कर रही है।

BLK-Max सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में सीनियर डायरेक्टर एवं सीनियर जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. ईश्वर बोहरा के अनुसार, DAA तकनीक पारंपरिक हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी की तुलना में अधिक सुरक्षित, कम दर्दनाक और तेजी से रिकवरी देने वाली प्रक्रिया है।

डॉ. बोहरा बताते हैं कि इस तकनीक में हिप जॉइंट तक शरीर के सामने वाले हिस्से से एक छोटे चीरे के माध्यम से पहुंचा जाता है। पारंपरिक सर्जरी के विपरीत इसमें मांसपेशियों को काटा नहीं जाता, बल्कि उन्हें सावधानीपूर्वक अलग किया जाता है। इससे ऊतकों को कम नुकसान पहुंचता है और मरीज को ऑपरेशन के बाद कम दर्द का सामना करना पड़ता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, यह तकनीक उन मरीजों के लिए विशेष रूप से लाभकारी है जो लंबे समय से हिप दर्द, चलने-फिरने में कठिनाई या एक्स-रे में दिखाई देने वाली गंभीर जॉइंट क्षति से जूझ रहे हैं। ऑस्टियोआर्थराइटिस, एवास्कुलर नेक्रोसिस (AVN), पुराने हिप फ्रैक्चर, रूमेटाइड आर्थराइटिस और लंबे समय से गतिशीलता संबंधी समस्याओं से पीड़ित मरीजों को इससे विशेष लाभ मिल सकता है। जब दवाइयां, फिजियोथेरेपी और इंजेक्शन

राहत देने में असफल हो जाते हैं, तब DAA हिप रिप्लेसमेंट मरीजों के जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

डॉ. बोहरा के अनुसार, DAA तकनीक के कई फायदे हैं। इसमें छोटा चीरा लगाया जाता है, मांसपेशियों को नुकसान नहीं पहुंचता, रक्तस्राव कम होता है और मरीज जल्दी चलना-फिरना शुरू कर सकता है। अधिकांश मरीज ऑपरेशन वाले दिन ही चलने लगते हैं, अस्पताल में कम समय तक भर्ती रहते हैं और तीन से चार सप्ताह के भीतर अपनी सामान्य दिनचर्या में लौट आते हैं।

सर्जरी को लेकर मरीजों के मन में रहने वाले दर्द के डर को भी डॉ. बोहरा ने निराधार बताया। उनका कहना है कि आधुनिक दर्द प्रबंधन तकनीकों की मदद से अब ऑपरेशन के बाद होने वाली असुविधा बेहद कम हो गई है और रिकवरी पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान हो गई है।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में उपयोग किए जाने वाले आधुनिक इम्प्लांट 25 वर्षों से अधिक समय तक प्रभावी रह सकते हैं। स्वस्थ वजन बनाए रखना और नियमित व्यायाम करना इम्प्लांट की आयु और प्रभावशीलता को और बढ़ा सकता है।

सर्जरी के बाद मरीज सामान्य और सक्रिय जीवन जी सकते हैं। वे अपने काम पर लौट सकते हैं, घरेलू गतिविधियां कर सकते हैं तथा योग, स्टेशनरी साइक्लिंग और तैराकी जैसी हल्की शारीरिक गतिविधियों में भी भाग ले सकते हैं। इस प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य मरीजों को दर्दमुक्त और सक्रिय जीवन प्रदान करना है।

डॉ. बोहरा ने यह भी बताया कि सफल सर्जरी और बेहतर रिकवरी के लिए ऑपरेशन से पहले की तैयारी भी बेहद महत्वपूर्ण होती है। मरीजों को अपने ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर और हृदय स्वास्थ्य को नियंत्रित रखना चाहिए, डॉक्टर को अपनी सभी दवाओं की जानकारी देनी चाहिए, फिजियोथेरेपी करनी चाहिए और घर पर आरामदायक रिकवरी की व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि यदि हिप दर्द किसी व्यक्ति की जीवनशैली और दैनिक गतिविधियों को प्रभावित कर रहा है, तो समय रहते उपचार कराना बेहद जरूरी है। DAA तकनीक ने हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी को पहले से अधिक सुरक्षित, सरल और प्रभावी बना दिया है, जिससे मरीज कम समय में अपनी सामान्य जिंदगी में लौट पा रहे हैं।